

## राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, जयपुर

क्रमांक : एफ.1(A)(23)आर.बी. / 2024 / 2179

दिनांक : 28 अप्रैल, 2024

### —: कार्यवाही विवरण :—

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 16.04.2025 को अपराह्न 03:00 बजे से 04:00 बजे तक राजभवन जयपुर में प्रदेश के समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में NAAC रैंकिंग से संबंधित गुणवत्ता/आवश्यकता की जांच कर NAAC रैंकिंग सुनिश्चित करवाने के संबंध में गठित समिति के साथ बैठक आयोजित की गई।

1. बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों की सूची **संलग्नक-1** पर संलग्न है।
2. बैठक राष्ट्रगान के साथ प्रारम्भ हुई एवं इसके पश्चात् सचिव, माननीय राज्यपाल द्वारा बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं माननीय राज्यपाल महोदय की अनुमति उपरान्त शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार से NAAC रैंकिंग से संबंधित पीपीटी प्रस्तुतिकरण हेतु अनुरोध किया गया।
3. शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा NAAC रैंकिंग से संबंधित PPT का प्रस्तुतिकरण किया गया (**संलग्नक-2**)।
4. शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा निम्नानुसार सुझाव दिये —
  - UGC द्वारा 30 जून, 2024 से NAAC रैंकिंग की प्रक्रिया पर रोक लगा रखी है।
  - UGC द्वारा जल्द ही NAAC रैंकिंग की प्रक्रिया हेतु Guidelines जारी जारी की जायेगी, कमेटी द्वारा NAAC रैंकिंग की प्रक्रिया हेतु कार्य किया जा रहा है, जैसे ही UGC द्वारा रोक हटायी जाती है, तो आवेदन प्रक्रिया शुरू कर जी जायेगी।
  - कमेटी द्वारा समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में NAAC रैंकिंग हेतु प्रत्येक 02 विश्वविद्यालयों हेतु कमेटी के 01 सदस्य को परामर्शदाता (Mentor) नियुक्त कर दिया गया है।
5. कुलपति, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ अजमेर द्वारा निम्नानुसार सुझाव दिये —
  - NAAC रैंकिंग हेतु Basic Accreditation में आवेदन किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय को अलग-अलग क्षेत्र में नम्बर दिया जाते हैं, इस कारण विश्वविद्यालय में किसी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कमी होने पर भी विश्वविद्यालय NAAC रैंकिंग प्राप्त कर सकता है।
  - NAAC रैंकिंग हेतु Basic Accreditation में विश्वविद्यालय तीन वर्ष के लिए NAAC रैंकिंग प्राप्त करने के साथ अधिकतम 02 बार (6 वर्ष) के लिए NAAC

6

रैंकिंग प्राप्त कर सकता है, उसके उपरान्त विश्वविद्यालय को Binary Accreditation में आवेदन करना होगा।

6. सचिव, माननीय राज्यपाल द्वारा निम्नानुसार सुझाव दिये गये :-

- शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों में NAAC रैंकिंग प्रक्रिया की मोनिटरिंग की जावे।
- NAAC रैंकिंग हेतु समय-समय पर मीटिंग आयोजित की जावे।
- NAAC रैंकिंग की अगली बैठक में विश्वविद्यालयों से संबंधित प्रशासनिक विभागों को आमंत्रित किया जावे।

7. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा बैठक के समापन संबोधन में निम्न निर्देश प्रदान किये गये :-

- जब तक UGC द्वारा NAAC रैंकिंग की प्रक्रिया हेतु Guidelines जारी नहीं की जाती है तब तक विश्वविद्यालयों द्वारा NAAC रैंकिंग की प्रक्रिया की तैयारी पूर्ण कर ली जावे, जैसे ही UGC द्वारा Guidelines जारी की जावे वैसे ही विश्वविद्यालयों द्वारा NAAC रैंकिंग हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी जावे।
- प्रदेश के समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की NAAC रैंकिंग हेतु विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा A, B एवं C ग्रेडिंग की जावे। सबसे पहले A ग्रेड विश्वविद्यालयों की NAAC रैंकिंग प्रक्रिया पूर्ण की जावे उसके बाद B एवं C ग्रेड विश्वविद्यालयों की प्रक्रिया सुनिश्चित की जावे।
- शिक्षा की दृष्टि से समृद्ध भारत बनाने हेतु शिक्षा के स्तर को बढ़ाया जावे और यह कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये।
- कमेटी की आगामी बैठक दिनांक 16 जुलाई, 2025 को आयोजित की जावे।

8. सचिव, माननीय राज्यपाल द्वारा बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं राजभवन के अधिकारीगण का आभार प्रकट किया गया एवं धन्यवाद प्रस्ताव रखा। अंत में राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन किया गया।

(मुकेश कुमार कलाल)  
उपसचिव,  
राज्यपाल, राजस्थान



क्रमांक : एफ.1(A)(23)आर.बी./2024 / 2180

दिनांक : 28 अप्रैल, 2024



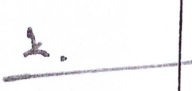
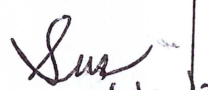
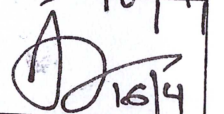



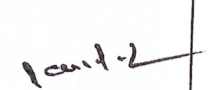

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं कार्यवाही विवरण का पालना प्रतिवेदन आवश्यक रूप से भिजवाये जाने हेतु प्रेषित है :-

1. प्रमुख विशेषाधिकारी, माननीय राज्यपाल, राजस्थान।
2. शासन सचिव, उच्च शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. कुलपति, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़, अजमेर।
4. कुलपति, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
5. कुलपति, मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
6. कुलपति, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।
7. कुलपति, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा।
8. प्रभारी (IT), राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, जयपुर को राजभवन की वेबसाईट पर अपलोड किये जाने हेतु प्रेषित है।
9. निजी सचिव, सचिव, माननीय राज्यपाल, राजभवन जयपुर।
10. रक्षित पत्रावली।

उपसचिव  
राज्यपाल, राजस्थान

Meeting regarding NAAC  
on 16<sup>th</sup> April, 2025 at 03:00 P.M. to 04:00 P.M. at Raj Bhawan, Jaipur

Attendance Sheet

S.N.	Name	Designation	Mobile No.	Signature
01.				
02.				
03.	BHANU PRAKASH	Secy, HTE		
04.	Prof. Anand Bhalerao	Vice Chancellor	9881731235	
05.	Dr. Ajit K. Karmakar	JNUU VC, MPVAT	9412120801	
06.	Prof. Sumita Mishra	MLSU Udaipur	9415228811	
07.	Prof. K. Sodani	UMOU Kota	82392-69101	
08.	Prof. S.K. Singh	VC RTU Kota	9891599903	
09.	M.K. Sharma	JS TL	941405103	
10.	Mohammed Reza	DSG-II	9214631201	
11.	Dr. KULDEEP MISHRA	OSD (HE)	9317257630	
12.	MUKESH Mr. Kuchel	Dy. Secy Hon. Commissioner	9166550509	



# NAAC Meeting 16-04-2025

Department of Higher Education,  
Govt. of Rajasthan

## What is NAAC

It is an autonomous institution of UGC  
established in 1994

It has been constituted to inculcate quality  
culture in Higher Education Institutions  
(HEIs)

It evaluates and accredits HEIs

## Why Assessment and Accreditation by NAAC

- ✓ To know strengths, weakness, opportunities and Challenges through review process
- ✓ Identification of internal areas of planning and resource allocation
- ✓ Continuous improvement
- ✓ Accountability of all stake holders
- ✓ Initiate innovative and modern methods of pedagogy
- ✓ Intra and inter-institutional interactions
- ✓ Recognition of peers and Stakeholders

## New Initiative of NAAC (In the light of NEP-2020 )

1. Binary Accreditation in place of 8-point grading system:
    - Accredited
    - Not Accredited
  2. Maturity-Based Graded Accreditation:
    - 'Level 1' to 'Level 4' - Institutions of National Excellence,
    - 'Level-5' - Institutions of Global Excellence for Multi-Disciplinary Research and Education.
- ❖ NAAC stopped accepting Institutional Information for Quality Assessment (IIQA) after 30th June 2024.
  - ❖ As per NAAC's press release dated 10th February 2025, the Binary Accreditation process is expected to commence in April or May 2025, followed by the MBGL process.





## Press Release Main Points

- Institutions that have already submitted their IIQA have been directed by NAAC to :
  - Retain their application validity until the new system is launched.
  - Choose to undergo the existing accreditation mechanism through a **hybrid mode (online and offline)**.
  - Higher Education Institutions (HEIs) in their **first cycle** have been advised to opt for **Basic Accreditation** under the revised structure.



## Present Status of State Funded Universities regarding NAAC Accreditation

- **Universities with Valid Accreditation**
  1. Jai Narain Vyas University, Jodhpur
  2. Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur
  3. Vardhman Mahaveer Open University, Kota
  4. Maharaja Ganga Singh University, Bikaner
- **University Undergoing Accreditation process**
  1. University of Rajasthan, Jaipur
- **Universities which can be directed to undertake the Accreditation process**
  1. Maharshi Dayanand Saraswati University, Ajmer
  2. University of Kota, Kota
  3. Haridev Joshi University of Journalism and Mass communication, Jaipur
  4. National Law university, Jodhpur

## Present Status of State Funded Universities regarding NAAC Accreditation

### Universities not fulfilling the criteria of Regular appointed faculty

1. Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University, Sikar
2. Raj Rishi Bhartrihai Matsya University, Alwar
3. Govind Guru Tribal University, Banswara and
4. Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur

### Universities not fulfilling the minimum criteria of six years of establishment

1. Bhim Rao Ambedkar Law university, Jaipur (2019)

## Background

- **Honourable Governor of Rajasthan** has directed that all state-funded universities in the state must obtain NAAC accreditation at the earliest.
- In line with this, the Department had constituted a mentoring committee vide order dated **10.10.2024**, assigning **four Vice Chancellors** the responsibility of mentoring **two universities each** to expedite the accreditation process.
- Department sought progress reports from all concerned universities vide its order dated 09.04.2025





## Progress Report of Non-Accredited University

### **Maharishi Dayanand Saraswati University, Ajmer**

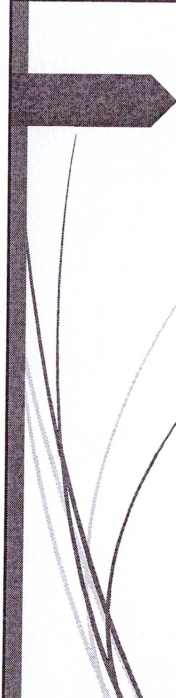
- Going for 3<sup>rd</sup> cycle of NAAC accreditation
- Filled AQARs for all past years 2016-2025.
- Prepared Institutional Development Plan (IDP) and submitted to IQAC.
- Have nominated Criterion Incharges.
- University has expressed its non readiness for the process due to the paucity of required faculty (9 permanent against 182 sanctioned)
- Also mentioned lack of non-teaching human resource.



## Progress Report of Non-Accredited University

### **University of Kota, Kota**

- Shall apply for second cycle of NAAC Accreditation
- AQARs have been prepared and submitted on NAAC portal (2018-23)
- AQAR for the year 2023-24 is under process
- Constituted committee in April 2023 for preparation of Self Study Report (SSR)
- Preparations underway as per the 10 points of the proposed Binary Accreditation Guidelines



## Progress Report of Non-Accredited University

### **National Law University, Jodhpur.**

- University has started making all preparation for Accreditation process
- IQAC is making multi-pronged interventions regarding academic reforms and infrastructural development and procurement of Academic data bases.
- Working on expanding and showcasing its specialized strengths as per the NAAC requirements
- Shall be going for accreditation in 2026.



## Progress Report of Non-Accredited University

### **Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication**

- IQAC constituted
- Graduation courses introduced from the year 2019
- University to shift to the new campus soon
- Six years mandatory duration for accreditation completed this year only
- University is making required preparations regarding NAAC process
- Made consultations with the mentor VC and working to expedite accreditation process accordingly



## Progress report of universities with no regular faculty and inadequate facilities

### **Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur**

- Formation of IQAC is under process
- No regular faculty
- In the process of obtaining 12B recognition from UGC
- Has registered on official NAAC portal
- Regular discussions and meetings are being organized regarding accreditation process

### **Pandit Deen Dayal Shekhawati University, Sikar**

- Has submitted non-availability of Teaching Staff
- Accreditation process to be taken up only after the recruitment of regular faculty
- University has informed the mentor VC regarding the above fact.
- Recruitment to various teaching posts in under process

## Progress report of universities with no regular faculty and inadequate facilities

### **Shri Govind Guru Tribal University, Banswara**

- Lacks regular faculty
- Applying for 12B recognition. Construction work of five departments mandatory for 12B recognition is going on.
- Planning an online workshop with the mentor Vice Chancellor
- Submitted that NAC accreditation can only be taken up after recruitment of regular staff

### **Rajrishi Bharitihari Matsya University, Alwar**

- Lacks sufficient infrastructure
- Construction work is underway
- Non-Availability of Teaching and Non-Teaching staff
- Accreditation to be taken up only after sufficient availability of infrastructure and recruitment of staff.



## Road Ahead

- Need to strengthen IQACs
- All universities to be directed to fill Annual Quality Assurance Report
- All efforts to be made in accordance with the proposed NAAC accreditation process
- To be instructed for Documenting all the events and progress
- To develop verifiable mechanism regarding procurement of student related information
- To document institutional Best practices with a well defined Vision and Mission
- Work on Green initiatives and SWOC Analysis
- Submit monthly report to mentor VCs and department



# Thanks